समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्

मुख्य भवन ब्लॉक–5 एवं एकलव्य भवन
उपायुक्त (प्रशिक्षण एवं क्वालिटी) कार्यालय–मुख्य भवन ब्लॉक–6, प्रथम तल,
डॉ. एस. राधाकृष्णन् शिक्षा संकुल परिसर, जे.एल.एन मार्ग, जयपुर
फोन –0141–2706069 rajssaquality@gmail.com

PM SHRI

01/07/20

क्रमांक : रास्कूशिप/जय/ गुणवत्ता/2026–27/21वीं सदी के कौशल / 6920 दिनांक : यथाहस्ताक्षर

21वीं सदी के कौशल (21st Century Skills)
दिशा-निर्देश सत्र 2026–27

सार संक्षेपः

यह दिशा-निर्देश प्रथम एवं द्वितीय चरण में चयनित 549 पीएमश्री राजकीय माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक तथा अष्टम चरण में चयनित 10 उच्च माध्यमिक पीएमश्री विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा 6 से 12 के विद्यार्थियों को 21 वीं सदी के कौशलों में सशक्त बनाने के उद्देश्य से आयोजित की जाने वाली गतिविधियों के लिए संचालित **"21 वीं सदी के कौशल"** कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जारी किए जा रहे हैं।

इन दिशा-निर्देशों में प्रत्येक स्तर पर प्रस्तावित गतिविधियों का संदर्भ, संचालन प्रक्रिया, उपयोगी सामग्री, अधिकारियों की भूमिका, उपलब्ध बजट तथा मॉनिटरिंग और दस्तावेजीकरण के संदर्भ में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई है।

संदर्भ

पीएम श्री योजना का प्रमुख उद्देश्य है - ऐसे विद्यालय तैयार करना जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सभी प्रावधानों को पूरा करते हों। पीएम श्री विद्यालयों के संचालन का मुख्य उद्देश्य स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता व सकारात्मक परिणामो हेतु विभिन्न आयामों को नए कार्यक्रमों व गतिविधियों के माध्यम से सशक्त किया जाना है, जहाँ प्रत्येक विद्यार्थी का समग्र विकास हो सके। पीएमश्री विद्यालयों में विद्यार्थियों को इस तरह से सशक्त किया जाना है जिससे राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 द्वारा परिकल्पित एक समतामूलक, समावेशी और बहुलतावादी समाज के निर्माण के लिए योगदान देने वाले नागरिक बन सकें।

यह कार्यक्रम सीधे उन बुनियादी क्षमताओं पर काम करने के अवसर देता है जिनकी विद्यार्थियों को व्यक्तिगत विकास, भविष्य की रोज़गार क्षमता बढ़ाने और विचारशील नागरिक बनने के लिए ज़रूरत है।

यह कार्यक्रम NEP 2020 लक्ष्यों, समग्र शिक्षा अभियान की प्राथमिकताओं को प्राप्त करने के लिए विद्यालय की सीखने सिखाने की प्रक्रिया को मजबूत करता है।

उद्देश्य

"21 वीं सदी के कौशल" कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (पैरा 4.4, 4.6, 4.23), राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2022, राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन के जीवन कौशल शिक्षा ढाँचे के अनुरूप तैयार किया गया है।

RajKaj Ref No.:
23091324

Scanned with OKEN Scanner

"21 वीं सदी के कौशल" कार्यक्रम के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

- विद्यार्थियों को 21 वीं सदी के महत्वपूर्ण कौशलों, जीवन कौशलों, एवं नागरिकता आधारित क्षमताओं में सशक्त बनाना है|
- विद्यार्थियों के समग्र विकास को सुनिश्चित करते हुए उन्हें भविष्य की सामाजिक, भावनात्मक एवं व्यावसायिक चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करना।
- समावेशी, सुरक्षित एवं भविष्य उन्मुख शिक्षण वातावरण का निर्माण करना, जिससे मानसिक, शारीरिक, सामाजिक और भावनात्मक रूप से विद्यार्थियों का सशक्तिकरण हो।
- विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक परिस्थितियों में प्रभावी ढंग से सहयोग करना और टीम में कार्य करने की दक्षता विकसित करना।
- कल्पनाशक्ति और नवाचारी सोच के माध्यम से नए विचार उत्पन्न करना और उन्हें व्यावहारिक समाधान में बदलने की क्षमता प्राप्त करना।
- राज्य, जिला, ब्लॉक और विद्यालय स्तर पर गतिविधियों के माध्यम से सीखने के परिणामों में सुधार और विद्यार्थियों को 21 वीं सदी के कौशलो से सशक्त करना।

गतिविधियों का संचालन एवं रूपरेखा

राज्य के समस्त पीएमश्री राजकीय 549+10=559 माध्यमिक/ उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा 6 से 12 के समस्त विद्यार्थी **"21 वीं सदी के कौशल कार्यक्रम"** का हिस्सा होंगे। **21 वीं सदी के कौशल कार्यक्रम** अंतर्गत विद्यालय स्तर पर निम्नलिखित 14 थीम पर गतिविधियों का आयोजन किया जायेगा। **विद्यालय स्तर पर गतिविधियों का संचालन समग्र शिक्षा के अंतर्गत अनुमोदित प्रबल कार्यक्रम अंतर्गत भी किया जायेगा।** ब्लॉक, जिला स्तर पर गतिविधियों का समायोजन पी.एम.श्री विद्यालयों में किया जायेगा। 14 थीम पर की गई गतिविधियों से बनी समझ के आधार पर राज्य स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमे विद्यार्थी अपने चिंतन एवं बनी समझ के आधार पर प्रस्तुतीकरण करेंगे। कौशल अनुसार गतिविधियों का आयोजन कक्षावार एवं माहवार निम्नानुसार किया जावे -

कौशल	गतिविधि	कक्षा	गतिविधि आयोजन माह
जीवन जीने हेतु कौशल (Skill for Life)	1. स्व-जागरूकता (Self-Awareness)	6-8 एवं 9-12	जुलाई 2026
	2. सम्प्रेषण (Communication Skills)	6-8 एवं 9-12	जुलाई 2026
	3. अंतःवैयक्तिक संबंध (Empathy)	6-8 एवं 9-12	अगस्त 2026
	4. टीम वर्क (Team work)	6-8 एवं 9-12	अगस्त 2026
	5. समालोचनात्मक चिंतन (Critical Thinking)	6-8 एवं 9-12	सितम्बर 2026
	6. समस्या समाधान (Decision-Making)	6-8 एवं 9-12	सितम्बर 2026
	7. रचनात्मक चिंतन (Creativity)	6-8 एवं 9-12	अक्टूबर 2026
	8. जुझारूपन (Resilience/ Coping with Stress)	6-8 एवं 9-12	अक्टूबर 2026
	9. नेतृत्व कौशल (Leadership Skills)	6-8 एवं 9-12	नवम्बर 2026
	10. नागरिकता कौशल (Citizenship Skills)	6-8 एवं 9-12	नवम्बर 2026
	11. नैतिक मूल्य (Ethical Values)	6-8 एवं 9-12	दिसम्बर 2026
काम/कार्य/रोजगार हेतु कौशल (Skill for Work)	1. वित्तीय साक्षरता (Financial Literacy)	9-12	जुलाई 2026
	2. डिजिटल साक्षरता (Digital Literacy)	9-12	अगस्त 2026
सतत विकास हेतु कौशल (Skill for Sustainable Development)	1. जलवायु परिवर्तन (Climate Change)	9-12	सितम्बर 2026

RajKaj Ref No.:
23091324

Scanned with OKEN Scanner

विद्यालय स्तर पर निम्न गतिविधियां निर्धारित बजट अनुसार आयोजित की जानी हैं–

विद्यालय स्तर पर कक्षा 6 से 8 में जीवन कौशल आधारित गतिविधियों का आयोजन किया जायेगा। जिसके माध्यम से वह जीवन जीने हेतु अपने महत्वपूर्ण कौशलों पर समझ विकसित कर सकेंगे। कक्षा 6 से 12 के विद्यार्थियों के साथ जीवन जीने हेतु कौशल (Skill for Life), काम/कार्य/रोजगार हेतु कौशल (Skill for Work), सतत विकास हेतु कौशल (Skill for Sustainable Development) पर गतिविधियों के माध्यम से कार्य करेंगे, जिससे विद्यार्थियों को 21वीं सदी के कौशलो हेतु सशक्त बनाया जायेगा।

1. जीवन जीने हेतु कौशल (Skill for Life)

कक्षा 6 से 8 हेतु जीवन जीने हेतु कौशल सम्बन्धी गतिविधियाँ -

कौशल	गतिविधि	गतिविधि आयोजन माह	वित्तीय प्रावधान
स्व-जागरूकता (Self-Awareness)	"मेरा परिचय"	जुलाई 2026	1000

उद्देश्य: अपनी आत्म-पहचान विकसित करना

गतिविधि के चरण: प्रत्येक विद्यार्थी अपनी 2-3 व्यक्तिगत खूबियों (शैक्षणिक, सामाजिक, रचनात्मक, खेलकूद संबंधी, चरित्र संबंधी) के बारे में लिखेगा। विद्यार्थियों को दो-दो की जोड़ियों में बाँटें। दोनों जोड़ीदार अपनी-अपनी खूबियाँ साझा करेंगे, फिर प्रत्येक छात्र अपने साथी में सप्ताह के दौरान देखी गई एक खूबी बताएगा।
पूरे समूह का चिंतन: "दूसरों द्वारा आपकी खूबियों को सराहे जाने पर आपको कैसा लगा?"
शिक्षक के लिए सुझाव: सामान्य प्रशंसा जैसे कि "आप अच्छे हैं" के बजाय विशिष्ट खूबियों पर ज़ोर दें। उदाहरण: "जब दूसरे बोलते हैं तो आप ध्यान से सुनते हैं। कचरा हमेशा डस्टबीन में डालते हैं। इधर-उधर नहीं।

कौशल	गतिविधि	गतिविधि आयोजन माह	वित्तीय प्रावधान
सम्प्रेषण (Communication Skills)	"भूमिका निभाना"	जुलाई 2026	1000

विद्यार्थियों को संवाद कौशल सुधारने के लिए अभिनय (roleplay) करने दें। **उदाहरण:** "एक दोस्त को समझाना कि पढ़ाई क्यों जरूरी है" पर एक संवाद तैयार करें या कहानी को बनाने के लिए कई सारे विद्यार्थियों को शामिल किया जाये। कहानी लिखित एवं मौखिक दोनों प्रकार से बनाई जाए। लिखित रूप से इस गतिविधि को करने के लिए खाली कार्डशीट का प्रयोग किया जाएं। जिस प्रकार पहला विद्यार्थी कहानी की तीन-चार लाइनो में शुरूआत करता है और एक-एक करके सभी विद्यार्थी तीन-चार लाइने अपनी ओर से लिखते जाते हैं और अन्तिम विद्यार्थी कहानी को अन्त तक पहुंचा देता है। विद्यार्थियों को पेपर, पेन और कार्डशीट विद्यालय द्वारा उपलब्ध कराये जाए।

कौशल	गतिविधि	गतिविधि आयोजन माह	वित्तीय प्रावधान
अंतःवैयक्तिक संवंध (Empathy)	"भावनाओं की पहचान"	अगस्त 2026	-

उद्देश्य: सांस्कृतिक रूप से आधारित तरीके से लैंगिक समानुभूति विकसित करना।
गतिविधि के चरण: अपने आस-पास आम तौर पर पाई जाने वाली स्थितियों को प्रस्तुत करें:

- एक लड़की जो स्कूल जाना चाहती है लेकिन परिवार का शादी का दबाव

Scanned with OKEN Scanner

- एक लड़का जिससे "मजबूत" होने और अपनी भावनाओं को छिपाने की उम्मीद की जाती है
- एक लड़की जो घर का काम करती है जबकि उसके भाई पढ़ाई करते हैं
- एक लड़का जो अपने परिवार की आर्थिक स्थिति से शर्मिंदा महसूस करता है

लड़कों और लड़कियों के समूहों में, छात्र चर्चा करें:

- इस व्यक्ति को कैसा महसूस होगा?
- उन पर क्या दबाव हैं?
- उनके साथी या परिवार उनकी मदद कैसे कर सकते हैं?
- कक्षा में लिंग की परवाह किए बिना प्रत्येक व्यक्ति के सपनों और गरिमा का सम्मान करने पर चर्चा।

शिक्षक सुझाव:
विद्यार्थियों की पारिवारिक परिस्थितियों से अवगत रहें। इसे "विभिन्न दृष्टिकोणों को समझना" के रूप में प्रस्तुत करें, न कि माता-पिता या किसी भी व्यक्ति, समूह या संस्थान की आलोचना के रूप में। सम्मानपूर्वक प्रश्न पूछने के लिए आमंत्रित करें।

कौशल	गतिविधि	गतिविधि आयोजन माह	वित्तीय प्रावधान
टीम वर्क (Team Work)	**"समूह परियोजना"**	अगस्त 2026	2000

विद्यार्थियों को एक टीम में काम करने और सहयोग करने का अनुभव दें। **उदाहरण:** इस गतिविधि में विद्यार्थियों को 4-5 के समूहों में बाँटा जाए- और उन्हें एक साझा कार्य पूरा करने के लिए कहा जाए - जैसे कि “एक छोटा नाटक तैयार करना”, या “एक वैज्ञानिक प्रयोग प्रस्तुत करना”। हर समूह को कार्य की योजना बनानी होगी, जिम्मेदारियाँ बाँटनी होंगी, समय का प्रबंधन करना होगा और मिल-जुलकर कार्य को समय पर पूरा करना होगा। कार्य पूरा होने के बाद, प्रत्येक समूह अपने अनुभव साझा करेगा कि उन्होंने कैसे एक-दूसरे के साथ समन्वय किया, क्या चुनौतियाँ आईं, और उन्होंने उनका समाधान किया। यह गतिविधि विद्यार्थियों में टीमवर्क, संवाद कौशल, सहयोग, जिम्मेदारी और नेतृत्व जैसी 21 वीं सदी की आवश्यक क्षमताओं को विकसित करेगी। यथा टीम-वर्क हेतु वृक्षारोपण, नवीन पौधों की देखभाल।

कौशल	गतिविधि	गतिविधि आयोजन माह	वित्तीय प्रावधान
समालोचनात्मक चिंतन (Critical Thinking)	**"समाचार विश्लेषण"**	सितम्बर 2026	1000

उद्देश्य: यह विश्लेषण करना कि विचार तर्क संगत हैं या नहीं।
गतिविधि के चरण: विद्यार्थियों द्वारा अक्सर पूछे जाने वाले कुछ सामान्य तर्क या दावे प्रस्तुत करें:

- "सब लोग ऐसा कर रहे हैं, इसलिए यह सही ही होगा"
- "किसी प्रसिद्ध व्यक्ति ने ऐसा कहा है, इसलिए यह सच है"
- "यह हमेशा से इसी तरह होता आया है, इसलिए यह सही है"
- "अगर आप ऐसा नहीं करेंगे, तो बुरा होगा"
- "यह स्वाभाविक है, इसलिए यह अच्छा है"

प्रत्येक के लिए, छात्र पहचानें:

- क्या यह तार्किक रूप से सही है? (क्या तर्क समझ में आता है?)
- इस दावे का समर्थन करने वाले प्रमाण क्या हैं?
- क्या कोई अपवाद या प्रति उदाहरण हैं?
- क्या यह एक तर्क है या धमकी?
- असहमत व्यक्ति क्या कहेगा?

शिक्षक सुझाव: उनके दैनिक जीवन के उदाहरणों का उपयोग करें (साथियों का दबाव, पारिवारिक निर्णय, स्कूल के नियम)। धमकी भरे लहजे का प्रयोग न करें।

Scanned with OKEN Scanner

कौशल	गतिविधि	गतिविधि आयोजन माह	वित्तीय प्रावधान
समस्या समाधान (Decision-Making)	**"समस्या समाधान प्रतियोगिता"**	सितम्बर 2026	1000

टीमों में मिलकर समाधान खोजें। **उदाहरण:** "पर्यावरण प्रदूषण को कम करने के उपाय जैसे इस गतिविधि में विद्यार्थियों को एक दैनिक जीवन से जुड़ी समस्या दी जाए जैसे विद्यालय में प्लास्टिक कचरा बढ़ रहा है इस गतिविधि मे विद्यार्थियों को छोटे-छोटे समूहों में बाँटा जाए और प्रत्येक समूह को समस्या का विश्लेषण कर उसके संभावित कारणों की पहचान व समाधान को किसी पोस्टर, कार्ड शीट पर लिख इसे प्रतियोगिता के रूप मे करवाया जाए -आवश्यक सामग्री की उपलब्धता विद्यालय द्वारा सुनिश्चित की जाए। निबंध लेखन, भाषण, वाद-विवाद, पोस्टर प्रतियोगिता

कौशल	गतिविधि	गतिविधि आयोजन माह	वित्तीय प्रावधान
रचनात्मक चिंतन (Creativity)	**"कहानी बनाओ"**	अक्टूबर 2026	-

उद्देश्य: विद्यार्थियों को निम्नलिखित बातें सीखने को मिलेंगी:

- उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करके रचनात्मक रूप से सोचना
- सरल सामग्रियों से अनेक विचार उत्पन्न करना
- मौलिकता और नवाचार को अभिव्यक्त करना

विद्यार्थियों से कहें: "हमारे गांवों में हम अक्सर चीजों का पुन: उपयोग करते हैं। आज आप रचनात्मक डिजाइनर बनेंगे और पुरानी सामग्रियों से कुछ नया बनाएंगे।" विद्यार्थियों से कहें कि वे स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कम लागत वाली वस्तुएं लाएं या एकत्र करें, जैसे: पुराने अखबार,खाली बोतलें,गत्ते के डिब्बे,कपड़े के टुकड़े,पत्तियां, टहनियां, मिट्टी। "एक उपयोगी या सजावटी वस्तु बनाएं जिसका उपयोग घर या स्कूल में किया जा सके।" उदाहरण (इन्हें सीमित न रखें): पेन स्टैंड,खिलौना,पक्षी दानादान, दीवार पर लगाने वाली सजावटी वस्तु। शिक्षक प्रश्न पूछें: क्या इस वस्तु का उपयोग किसी नए तरीके से किया जा सकता है? क्या हम दो चीजों को मिला सकते हैं? क्या हम इसे और मजबूत, सुंदर या उपयोगी बना सकते हैं? प्रत्येक समूह निम्नलिखित प्रस्तुत करेगा : उन्होंने क्या बनाया?उन्हें यह विचार कैसे आया?इसका उपयोग कैसे किया जा सकता है? विद्यार्थियों से इन प्रश्नों पर चर्चा करने को कहें:आपका मूल विचार क्या था?क्या आपने इसे बनाते समय अपने विचार में कोई बदलाव किया?किस चीज़ ने आपको अलग तरह से सोचने में मदद की?

शिक्षक सुझाव

- सभी विचारों का सम्मान करें—सही या गलत का निर्णय करने से बचें
- पूर्णता की बजाय प्रयास और मौलिकता पर ध्यान केंद्रित करें
- प्रयोग करने और विचारों में संशोधन करने के लिए प्रोत्साहित करें
- स्वतंत्रता दें—कठोर निर्देश न दें

कौशल	गतिविधि	गतिविधि आयोजन माह	वित्तीय प्रावधान
जुझारूपन (Resilience/ Coping with Stress)	**"तनाव प्रबन्धन"**	अक्टूबर 2026	-

उद्देश्य: विद्यार्थियों को निम्नलिखित बातें सीखने को मिलेंगी:

- असफलता और चुनौतियों का सकारात्मक रूप से सामना करना

RajKaj Ref No.:
23091324
Scanned with OKEN Scanner

- यह समझना कि जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं
- समस्या-समाधान कौशल और दृढ़ता विकसित करना

एक छोटी कहानी सुनाइए:"कम बारिश के कारण एक किसान की फसल खराब हो गई। हार मानने के बजाय, उसने अगले मौसम में दूसरी फसल उगाने की कोशिश की और अधिक मेहनत की।"

विद्यार्थियों से पूछें:

किसान को किस समस्या का सामना करना पड़ा?

- क्या उसने हार मान ली? क्यों या क्यों नहीं?
- किस चीज़ ने उसे आगे बढ़ने में मदद की?

बोर्ड पर मुख्य शब्द लिखें: **समस्या – प्रयास – बदलाव – फिर से कोशिश**

विद्यार्थियों से कहें कि वे अपने सामने आई किसी छोटी-मोटी चुनौती के बारे में सोचें:

- परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन न कर पाना
- खेल हार जाना
- कुछ सीखने में कठिनाई होना

फिर: किसी साथी के साथ साझा करें (वैकल्पिक) चर्चा करें कि आपने क्या किया? अगली बार आप क्या अलग कर सकते हैं?

छात्र लिखते या चित्र बनाते हैं कि "अगली बार जब मुझे कोई समस्या आएगी, तो मैं..."

उदाहरण: मदद मांगूंगा,अधिक अभ्यास करूंगा,कोई दूसरा तरीका आजमाऊंगा, शांत रहूंगा।

शिक्षक विद्यार्थियों को इन वाक्यों को दोहराने के लिए प्रेरित करते हैं: "गलतियों से मुझे सीखने में मदद मिलती है।" "मैं दोबारा कोशिश कर सकता हूँ।" "मैं आसानी से हार नहीं मानता।"

शिक्षकों के लिए सुझाव:

- असफलता को सामान्य मानें—गलतियों पर शर्मिंदा न हों
- कठिनाई पर विजय पाने का अपना उदाहरण साझा करें
- केवल सफलता ही नहीं, प्रयास को प्रोत्साहित करें
- स्वेच्छा से और सम्मानपूर्वक जानकारी साझा करते रहें

कौशल	**गतिविधि**	**गतिविधि आयोजन माह**	**वित्तीय प्रावधान**
नेतृत्व कौशल (Leadership Skills)	**"टीम लीडर बनो"**	नवम्बर 2026	-

उद्देश्य: छात्र निम्नलिखित बातें सीखते हैं:

- जिम्मेदारी लेना
- निर्णय लेना और दूसरों का मार्गदर्शन करना
- संचार करना और छोटे-छोटे कार्यों का प्रबंधन करना

विद्यार्थियों से कहें: "नेतृत्व का मतलब आदेश देना नहीं है। एक अच्छा नेता दूसरों की मदद करता है, उनकी बात सुनता है और जिम्मेदारी लेता है।"

दो-तीन विद्यार्थियों को कक्षा का नेता चुनें (बारी-बारी से चुनें ताकि सभी को मौका मिले)उन्हें छोटी-छोटी, स्पष्ट जिम्मेदारियाँ सौंपें:

- समूह कार्य का आयोजन करना,
- सामग्री का साझाकरण सुनिश्चित करना,
- कक्षा की स्वच्छता बनाए रखना,
- छोटे-मोटे विवादों को सुलझाने में सहायता करना।

कक्षाकार्य से संबंधित एक सरल गतिविधि प्रदान करें, उदाहरण के लिए:

- समूहों में एक समस्या हल करें,
- एक छोटा चार्ट/पोस्टर तैयार करें,

RajKaj Ref No.:
23091324

Scanned with OKEN Scanner

- अध्ययन सामग्री को साफ और व्यवस्थित करें

नेतृत्वकर्ता को चाहिए: कार्यों का विभाजन करें,सुनिश्चित करें कि सभी की भागीदारी हो,समय पर कार्य पूरा करें
शिक्षक निम्नलिखित बातों का अवलोकन करें :

- नेता किस प्रकार संवाद करते हैं,
- क्या वे दूसरों की बात सुनते हैं,
- वे कठिनाइयों का सामना कैसे करते हैं।

शिक्षक आवश्यकता पड़ने पर सौम्य मार्गदर्शन करें (दबाव न डालें)
गतिविधि के बाद चर्चा करें: नेतृत्वकर्ताओं के लिए:

- आपको क्या आसान और क्या कठिन लगा?
- आपने अपने समूह की मदद कैसे की?

समूह सदस्यों के लिए:

- क्या आपके नेतृत्वकर्ता ने आपकी बात सुनी?
- उन्होंने क्या अच्छा किया?

शिक्षकों के लिए सुझाव

- नेतृत्व को बारी-बारी से सौंपें ताकि हर बच्चा भाग ले सके
- समावेशी नेतृत्व को प्रोत्साहित करें (दबाव न डालें)
- प्रयासों की सराहना करें (भले ही नेतृत्व परिपूर्ण न हो)
- शर्मीले विद्यार्थियों को पहले छोटी भूमिकाएँ देकर उनका समर्थन करें

कौशल	**गतिविधि**	**गतिविधि आयोजन माह**	**वित्तीय प्रावधान**
नागरिकता कौशल (Citizenship Skills)	**"सामाजिक सेवा परियोजना"**	नवम्बर 2026	1000

विद्यार्थियों को समाज सेवा गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित करें। **उदाहरण:** स्थानीय समुदाय में सफाई अभियान या वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाग लें। या "अपना विद्यालय" शीर्षक के अन्तर्गत विद्यार्थियों के समक्ष विद्यालय को और बेहतर, स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के लिए इस प्रकार परिचर्चा करें कि विद्यार्थियों को विद्यालय में पहल करने के अवसर दिखने लगें। इस पर विशेष ध्यान रखें कि विद्यार्थी को इसके लिए बाध्य न किया जाये। वें स्वेच्छा से ही विद्यालय के लिए कार्य करें। सत्रांत में विद्यालय के लिए पहल करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया जाये। विद्यालय "अपना विद्यालय" के अतिरिक्त कोई और परियोजना/ कार्यक्रम भी इसके लिए शुरू कर सकते हैं।

कौशल	**गतिविधि**	**गतिविधि आयोजन माह**	**वित्तीय प्रावधान**
नैतिक मूल्य (Ethical Values)	**"नैतिक दुविधा चर्चा"**	दिसम्बर 2026	1000

विद्यार्थियों को नैतिक मुद्दों पर चर्चा करने और समाधान सुझाने के लिए प्रेरित करें। **उदाहरण:** "क्या परीक्षा में नकल करना सही है?" इस पर चर्चा करें। या खुशियों का पिटारा गतिविधि में विभिन्न बनावटों की वस्तुओं से भरा एक बॉक्स बनाना शामिल है। बॉक्स जिसे विद्यार्थियों द्वारा स्वयं सजाया जाता है। बॉक्स में विद्यार्थी अपने सहपाठी के प्रति अपनी अच्छी भावनाओं को लिखकर व्यक्त करते है एवं सहपाठी द्वारा बॉक्स से लिखित भावना निकालकर सभी के सामने पढ़ी जाती है।

कक्षा 6 से 8 की गतिविधियों हेतु "सेल्फ एस्टीम एवं बॉडी कॉन्फिडेंस" के पात्रो व गतिविधियों या "आओ करके सीखें" वाली गतिविधियों का उपयोग भी किया जा सकता है।

RajKaj Ref No.:
23091324

Scanned with OKEN Scanner

कक्षा 9 से 12 हेतु जीवन जीने हेतु कौशल (Skill for Life)

कौशल	गतिविधि	गतिविधि आयोजन माह	वित्तीय प्रावधान
स्व-जागरूकता (Self-Awareness)	"मेरा व्यक्तित्व परीक्षण"	जुलाई 2026	1000

कक्षा को समझाएँ: "आत्म-जागरूकता का अर्थ है यह समझना कि आप वास्तव में कौन हैं — आपकी खूबियाँ, आपके मूल्य, आपकी भावनाएँ और जीवन में आपकी इच्छाएँ। जो व्यक्ति स्वयं को जानता है, वह शिक्षा, कार्य और संबंधों के बारे में बेहतर निर्णय ले सकता है।"

प्रत्येक छात्र को एक सरल वर्कशीट दें या उनसे इन चार प्रश्नों के उत्तर लिखने/चित्र बनाने के लिए कहें:

- मेरी शक्तियाँ: मैं स्वाभाविक रूप से किन गुणों में निपुण हूँ? (उदाहरण: खेती-बाड़ी, दूसरों की मदद करना, कहानी सुनाना, विवाद सुलझाना, धैर्य, रचनात्मकता)
- मेरे मूल्य: मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण क्या है? (उदाहरण: परिवार का सम्मान, ईमानदारी, शिक्षा, गाँव की मदद करना, मेहनत)
- मेरी चुनौतियाँ: मुझे किन बातों से दुविधा या चिंता होती है? (उदाहरण: दूसरों के सामने बोलने का डर, परिवार का दबाव, भविष्य को लेकर असमंजस)
- मेरा भविष्य: मैं अगले 5-10 वर्षों में किस प्रकार का व्यक्ति बनना चाहता हूँ?

विद्यार्थियों को 4-5 के समूहों में बाँटें। प्रत्येक विद्यार्थी अपने चिंतन का केवल एक बिंदु साझा करे (वे अपनी सुविधानुसार कोई भी बिंदु चुन सकते हैं)।समूह के सदस्य सम्मानपूर्वक एक टिप्पणी दें, जैसे:

- "मुझे नहीं पता था कि आपमें इतनी शक्ति है।"
- "यह गुण मेरे लिए भी महत्वपूर्ण है।"

नियम: किसी का भी उपहास या मज़ाक नहीं उड़ाना है। केवल सकारात्मक और जिज्ञासापूर्ण प्रतिक्रियाएँ ही दें।

प्रत्येक छात्र से कागज पर एक वाक्य पूरा करने को कहें:

"क्योंकि अब मैं खुद को बेहतर जानता हूँ, इसलिए मैं..." उदाहरण:

- "मैं कक्षा में विचार अभिव्यक्त करूँगा, क्योंकि मुझे पता है कि मेरे विचार अच्छे हैं।"
- "मैं अपने माता-पिता से आगे की पढ़ाई में अपनी रुचि के बारे में बात करूंगा।"
- "जब चीजें गलत हों तो मैं अपने गुस्से को नियंत्रित करने पर काम करूंगा।"

पूरी कक्षा से पूछें:

- "खुद को जानना भविष्य के बारे में निर्णय लेने में कैसे मदद करता है?"
- "आज आपने अपने बारे में एक ऐसी कौन सी बात सीखी जिसके बारे में आपने पहले कभी नहीं सोचा था?"

RajKaj Ref No.: 23091324

Scanned with OKEN Scanner

कौशल	गतिविधि	गतिविधि आयोजन माह	वित्तीय प्रावधान
सम्प्रेषण (Communication Skills)	**विश्व को जानो -"एक देश, एक कहानी"**	जुलाई 2026	1000

उद्देश्य:

कक्षा 9-12 के वरिष्ठ विद्यार्थियों को सक्रिय श्रवण और मुखर संचार में निपुण बनाना। छात्र सीखेंगे कि वे अपनी आवश्यकताओं को सम्मानपूर्वक कैसे व्यक्त करें और दूसरों के दृष्टिकोण को कैसे सुनें, विशेष रूप से महत्वपूर्ण परिस्थितियों में, जैसे बड़ों या अधिकारियों के साथ अपने भविष्य पर चर्चा करते समय।

संक्षेप में, संवाद करने के तीन मुख्य तरीकों को समझाइए:

- निष्क्रिय: असहमति होने पर भी चुप रहना (उदाहरण बिना कुछ कहे पढ़ाई छोड़ने के लिए सहमत होना)।
- आक्रामक: अपनी बात मनवाने के लिए चिल्लाना या अनादर करना।
- मुखर (लक्ष्य): दूसरे व्यक्ति की बात सुनते हुए अपनी ज़रूरतों को स्पष्ट, ईमानदारी से और सम्मानपूर्वक बताना।

शिक्षक सुझाव: स्थानीय उदाहरण का प्रयोग करें। निष्क्रिय व्यक्ति शांत तालाब के समान है; आक्रामक व्यक्ति तूफान के समान है; और दृढ़ निश्चयी व्यक्ति एक नदी के समान है जो उद्देश्यपूर्ण ढंग से बहती है लेकिन विनाश नहीं करती।

कक्षा को तीन-तीन विद्यार्थियों के समूहों में बाँटें। प्रत्येक छात्र को एक भूमिका सौंपें: वक्ता, श्रोता और प्रेक्षकं।

उन्हें अभिनय करने के लिए एक वास्तविक स्थानीय परिदृश्य दें:

- परिदृश्य 1: एक छात्र उच्च शिक्षा के लिए शहर जाना चाहता है, लेकिन उसके माता-पिता सुरक्षा और खर्चों को लेकर चिंतित हैं।
- परिदृश्य 2: एक छात्र स्कूल में सीखी हुई जैविक खेती की नई विधि आजमाना चाहता है, लेकिन परिवार का बड़ा सदस्य पारंपरिक तरीकों को ही अपनाना चाहता है।
- परिदृश्य 3: एक छात्र को सुरक्षा के लिए सरपंच (ग्राम प्रधान) से स्कूल जाने वाले रास्ते पर रोशनी ठीक करवाने का अनुरोध करना है।

कार्य:

- वक्ता को "मैं" वाले वाक्य प्रयोग करने होंगे: "मुझे लगता है... क्योंकि... और मैं चाहता/चाहती हूँ..."
- श्रोता को सक्रिय रूप से सुनना होगा, बीच में टोकना नहीं, सिर हिलाना नहीं, और उत्तर देने से पहले सुनी गई बात का सारांश बताना ("तो, आप यह कह रहे हैं कि...")।
- पर्यविक्षक ध्यान से देखता और नोट करता है: क्या वे सम्मानजनक रहे? क्या उन्होंने ध्यान से सुना?

5 मिनट बाद, विद्यार्थियों को भूमिकाएँ बदलने के लिए कहें ताकि सभी को "वक्ता" (आवश्यकता बताने वाला) बनने का मौका मिले।

शिक्षक सुझाव: यदि विद्यार्थियों को अपनी स्थानीय बोली (हिंदी के अलावा) का प्रयोग करना अधिक स्वाभाविक लगता है, तो उन्हें ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित करें, बशर्ते वे "दृढ़तापूर्ण" नियमों का पालन करें।

RajKaj Ref No.:
23091324

Scanned with OKEN Scanner

विद्यार्थियों से पूछें:

- "बोलना ज़्यादा कठिन था या बिना टोके सुनना?"
- "जब सुनने वाले ने आपकी कही हुई बात का सारांश बताया, तो आपको कैसा लगा?"
- "आत्मविश्वास से भरी बातचीत आपके वास्तविक पारिवारिक जीवन में कैसे मददगार हो सकती है?"

कौशल	गतिविधि	गतिविधि आयोजन माह	वित्तीय प्रावधान
अन्तःवैयक्तिक संबंध/ समानुभूति (Empathy)	"समानुभूति पर निबंध लेखन"	अगस्त 2026	-

उद्देश्य: विद्यार्थियों को अपने समुदाय के अन्य लोगों की भावनाओं, संघर्षों और दृष्टिकोणों को समझने में मदद करके उनमें समानुभूति विकसित करना। यह गतिविधि विद्यार्थियों को अपने दृष्टिकोण से ऊपर उठकर विभिन्न चुनौतियों का सामना कर रहे लोगों से भावनात्मक रूप से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करती है।

समानुभूति का अर्थ सरल शब्दों में समझाइए: "समानुभूति का अर्थ है दूसरे व्यक्ति की भावनाओं को समझने का प्रयास करना। यह केवल किसी के लिए दुख महसूस करना नहीं है, बल्कि उनकी स्थिति को उनके नज़रिए से समझना है।"

ग्रामीण जीवन से एक छोटा सा उदाहरण दीजिए, जैसे:

- एक लड़की जो पढ़ना चाहती है लेकिन उसका परिवार उसकी जल्दी शादी करवाना चाहता है।
- एक किसान जिसकी फसल सूखे के कारण बर्बाद हो गई।
- एक छात्र जिसके पिता काम के लिए शहर चले गए हैं।

प्रत्येक छात्र से निम्नलिखित सूची में से एक व्यक्ति चुनने को कहें (या उन्हें अपने गाँव के किसी व्यक्ति का नाम सुझाने दें):

- एक लड़की जिसके माता-पिता उसे आगे पढ़ने से रोक रहे हैं
- एक लड़का जिसके पिता काम के लिए दूसरे राज्य चले गए हैं
- एक बुज़ुर्ग व्यक्ति जो बच्चों के चले जाने के कारण अकेलापन महसूस करता है
- एक किसान जो पानी की कमी का सामना कर रहा है
- एक छात्र जिसे उसकी आकार, चेहरे की बनावट या पृष्ठभूमि के कारण चिढ़ाया जा रहा है
- एक माँ जो अपने बच्चे के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित है लेकिन इलाज का खर्च वहन नहीं कर सकती

विद्यार्थियों को प्रथम पुरुष के रूप में 8-10 पंक्तियाँ लिखनी हैं, मानो वे स्वयं वह व्यक्ति हों। उन्हें निम्नलिखित का वर्णन करना होगा:

- वह व्यक्ति कैसा महसूस करता है

- उसे किन समस्याओं का सामना करना पड़ता है
- वह क्या चाहता है कि दूसरे उसके बारे में समझें।

विद्यार्थी जोड़े बनाकर एक-दूसरे को अपनी लिखी हुई बातें पढ़कर सुनाते हैं। सुनने के बाद, साथी को इस प्रकार उत्तर देना होता है:

"मैं समझ गया कि आप ऐसा महसूस करते हैं..."

"आपकी स्थिति के बारे में अब मैं एक बात समझ पाया हूँ..."

विद्यार्थियों को सलाह देने की अनुमति नहीं है — केवल समझ दिखानी है।

पूरी कक्षा में चर्चा (15 मिनट) पूरी कक्षा को एक साथ लाएँ और पूछें:

- "किसी और के नज़रिए से लिखना कैसा लगा?"
- "क्या आपको कोई ऐसी भावनाएँ पता चलीं जिनके बारे में आपने पहले कभी नहीं सोचा था?"
- "वास्तविक जीवन में ऐसे लोगों से मिलने पर हम कैसे सहानुभूति दिखा सकते हैं?"

व्यक्तिगत संकल्प (5 मिनट):प्रत्येक विद्यार्थी कागज के एक छोटे टुकड़े पर एक वाक्य लिखता है:

"मैं इस प्रकार सहानुभूति दिखाऊँगा..."

उदाहरण:

- अपने मित्र की बात बिना किसी पूर्वाग्रह के सुनना
- अपनी माँ से पूछना कि उनका दिन कैसा रहा
- किसी संघर्षरत व्यक्ति पर न हँसना

इन कागजों को इकट्ठा करके कक्षा में एक छोटी "समानुभूति दीवार" पर प्रदर्शित किया जा सकता है।

कौशल	**गतिविधि**	**गतिविधि आयोजन माह**	**वित्तीय प्रावधान**
टीम वर्क (Team Work)	**"टीम प्रोजेक्ट"**	अगस्त 2026	1000

विद्यार्थियों को समूह में कार्य करने की कला सीखने के लिए प्रेरित करें। **उदाहरण:** इस गतिविधि मे विद्यार्थियों को छोटे समूहों में बाँटकर उन्हें विभिन्न देशों या समुदायों की संस्कृति जैसे भोजन, वेशभूषा, रीति-रिवाज, भाषाएँ, और सामाजिक व्यवहार पर शोध करने के लिए कहा जाए, साथ ही टीम भावना से वृक्षारोपण कार्य भी संपादित किया जावे। हर समूह द्वारा एक सांस्कृतिक कोना (Cultural Corner) तैयार किया जाए , जहाँ वे उस संस्कृति से संबंधित चित्र, परिधान, परंपराएँ, और एक छोटा नाट्य-अंश या बातचीत प्रस्तुत करे इसके साथ ही इसकी तैयारी के लिए उन्हें वित्तीय सहायता दी जाये।

कौशल	**गतिविधि**	**गतिविधि आयोजन माह**	**वित्तीय प्रावधान**

RajKaj Ref No.:
23091324
Scanned with OKEN Scanner

समालोचनात्मक चिंतन (Critical Thinking)	"समाचार विश्लेषण"	सितम्बर, 2026	-

उद्देश्य:
विद्यार्थियों को सूचनाओं पर सवाल उठाने, पूर्वाग्रहों को पहचानने, तथ्यों और मतों में अंतर करने और साक्ष्यों के आधार पर तर्कसंगत निर्णय लेने के द्वारा आलोचनात्मक सोच विकसित करने में मदद करना—ये कौशल उनके गांव और उससे बाहर गलत सूचनाओं से निपटने के लिए आवश्यक हैं।

इस कौशल को सरल शब्दों में समझाइए: "आलोचनात्मक सोच का अर्थ है हर सुनी या पढ़ी हुई बात पर विश्वास न करना। इसका अर्थ है ऐसे प्रश्न पूछना: क्या यह सच है? यह किसने कहा? क्या उनके पास इसका प्रमाण है? इसके पीछे उनका क्या कारण है? क्या इस बात को देखने के और भी तरीके हैं?"एक स्थानीय उदाहरण दीजिए:
"यदि गाँव में कोई कहता है, 'इस नए बीज से आपकी फसल तीन गुना हो जाएगी,' तो एक आलोचनात्मक विचारक पूछता है: यह बीज कौन बेच रहा है? क्या उन्होंने इसका परीक्षण किया है? अन्य किसानों को क्या परिणाम मिले? क्या उनके पास इसका प्रमाण है?"
कक्षा को 4-5 के समूहों में बाँटें। प्रत्येक समूह को राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्र से एक वास्तविक जीवन की घटना दें:
कहानी 1: स्वास्थ्य और गलत जानकारी
"एक व्यक्ति दावा करता है कि केवल दूध पीने से सभी रोग ठीक हो जाते हैं। आपकी दादी इस बात पर विश्वास करती हैं।"
पूछे जाने वाले प्रश्न: क्या यह सच है? डॉक्टर क्या कहते हैं? क्या ऐसे मामले भी हैं जहाँ केवल दूध पर्याप्त नहीं होता?
कहानी 2: कृषि और झूठे दावे
"एक विक्रेता दावा करता है कि उसका कीटनाशक इतना शक्तिशाली है कि एक बोतल से फसलों को पूरे वर्ष सुरक्षित रखा जा सकता है और मनुष्यों को कोई नुकसान नहीं होगा।"
पूछे जाने वाले प्रश्न: क्या यह व्यावहारिक है? कृषि विशेषज्ञ क्या कहते हैं? विक्रेता का क्या हित है?
कहानी 3: शिक्षा और लैंगिक भेदभाव
"आपके चाचा कहते हैं कि लड़कियों को उच्च शिक्षा की आवश्यकता नहीं है क्योंकि उनकी शादी हो जाएगी और वे घर छोड़ देंगी।"
पूछे जाने वाले प्रश्न: क्या यह हमेशा सच है? उन लड़कियों के बारे में क्या जो करियर बनाना चाहती हैं? आप कौन से उदाहरण जानते हैं?
परिदृश्य 4: सोशल मीडिया और अफवाहें
"एक संदेश में कहा गया है कि भूकंप ने कई देशों में तबाही मचा रखी है। यह संदेश व्हाट्सएप पर तेजी से फैल गया।"
पूछे जाने वाले प्रश्न: यह संदेश कहां से आया? क्या सरकार ने सचमुच ऐसा कहा है? क्या इसका कोई आधिकारिक प्रमाण है?
अपने परिदृश्य के लिए, प्रत्येक समूह को निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने होंगे:
क्या यह तथ्य है या राय?

तथ्य = जिसे प्रमाणों से सिद्ध किया जा सकता है
राय = किसी व्यक्ति का विश्वास, जो सच न भी हो सकता है

यह कौन कह रहा है? क्यों?

- क्या विक्रेता लाभ कमाना चाहता है? क्या व्यक्ति का कोई पूर्वाग्रह है? क्या कोई अफवाहें फैला रहा है?
- क्या प्रमाण मौजूद हैं?

Scanned with OKEN Scanner

- क्या हम इसे सिद्ध कर सकते हैं? क्या इसके उदाहरण हैं? विशेषज्ञ क्या कहते हैं?

इस पर विचार करने के अन्य तरीके क्या हैं?

- क्या अलग-अलग दृष्टिकोण हैं?

एक गंभीर विचारक क्या करेगा?

- क्या वह प्रश्न पूछेगा? विशेषज्ञों से परामर्श करेगा? क्या वह प्रमाण खोजेगा?

शिक्षक सुझाव: घूमते हुए ऐसे प्रश्न पूछें:

- "आपको कैसे पता कि यह सच है?"
- "अगर लोग इस पर विश्वास करते हैं तो हमें क्या करना होगा?"
- "आपको यकीन दिलाने के लिए क्या देखना होगा?"

प्रत्येक समूह 2-3 मिनट में अपना विश्लेषण प्रस्तुत करेगा। उन्हें स्पष्ट रूप से बताना चाहिए: दावा

- यह सच क्यों नहीं हो सकता
- कौन से साक्ष्य या विशेषज्ञ सहायक हो सकते हैं
- एक आलोचनात्मक विचारक को क्या करना चाहिए

प्रत्येक प्रस्तुति के बाद, कक्षा से पूछें:

- "क्या आप उनके विश्लेषण से सहमत हैं?"
- "उन्हें और क्या पूछना चाहिए था?"

पूरी कक्षा को एक साथ बुलाकर चर्चा करें:

- "आपको गलत जानकारी कहाँ से मिलती है?" (टीवी, व्हाट्सएप, दोस्त, बड़े-बुजुर्ग, सोशल मीडिया)
- "आलोचनात्मक सोच आपकी रक्षा कैसे कर सकती है?" (गलत दवाओं, बुरे सौदों, पूर्वाग्रहों और गलत निर्णय लेने से)
- "ऐसा कौन सा दावा है जो आप अक्सर सुनते हैं और अब आप उस पर सवाल उठाना चाहते हैं?"

प्रत्येक छात्र से एक बात लिखने या बोलने को कहें:

"एक दावा जिस पर मैं पहले विश्वास करता था लेकिन अब सवाल उठाना चाहता हूँ वह यह है कि... क्योंकि..."

कौशल	**गतिविधि**	**गतिविधि आयोजन माह**	**वित्तीय प्रावधान**
समस्या समाधान (Decision-Making)	**"समस्या समाधान प्रतियोगिता"**	सितम्बर, 2026	-

उद्देश्य: विद्यार्थियों को विकल्पों का मूल्यांकन करने, परिणामों पर विचार करने और अपने मूल्यों के अनुरूप निर्णय लेने की संरचित प्रक्रिया सिखाकर प्रभावी निर्णय लेने के कौशल विकसित करने में सहायता करना—विशेष रूप से शिक्षा, करियर और पारिवारिक अपेक्षाओं जैसे जीवन के महत्वपूर्ण निर्णयों के संबंध में।

इस कौशल को सरल शब्दों में समझाएँ: "अच्छे निर्णय लेने का अर्थ है जल्दबाजी न करना। इसका अर्थ है अपने विकल्पों पर अच्छी तरह सोच-विचार करना, संभावित परिणामों को समझना और अपने और अपने भविष्य के लिए सर्वोत्तम विकल्प चुनना।"

एक प्रासंगिक उदाहरण साझा करें: "एक छात्र को दो नौकरी के प्रस्ताव मिलते हैं: एक में अधिक वेतन है लेकिन वह दूर है; दूसरा कम वेतन वाला है लेकिन घर के पास है। एक अच्छा निर्णय लेने वाला व्यक्ति सोचता है: मेरे लिए क्या महत्वपूर्ण है?

Scanned with OKEN Scanner

इसके क्या फायदे और नुकसान हैं? 5 साल बाद क्या होगा?"

निर्णय लेने की 5-चरणीय प्रक्रिया का परिचय दें:

- समझना (समस्या को समझें): मुझे क्या निर्णय लेना है?
- विकल्पों के बारे में सोचना (सभी विकल्पों की सूची बनाएँ): मेरे पास क्या-क्या विकल्प हैं?
- हर विकल्प के फायदे और नुकसान (लाभ और नुकसान): प्रत्येक विकल्प के क्या अच्छे और बुरे परिणाम हो सकते हैं?
- अपने मूल्यों के बारे में सोचना (अपने मूल्यों पर विचार करें): कौन सा विकल्प मेरे लिए महत्वपूर्ण है?
- फैसला लेना और कार्रवाई करना (Decide and act): चुनाव करो और उस पर अमल करो।

विद्यार्थियों को बताएँ कि वे इस प्रक्रिया का अभ्यास एक वास्तविक परिस्थिति में करेंगे जिसका उन्हें सामना करना पड़ सकता है। अपनी कक्षा के लिए सबसे प्रासंगिक एक परिदृश्य चुनें, या समूहों को अलग-अलग परिदृश्यों पर काम करने दें:

परिदृश्य 1: शिक्षा बनाम पारिवारिक दबाव: आप आगे पढ़ना चाहते हैं (11 वीं-12 वीं या कॉलेज), लेकिन आपके माता-पिता चाहते हैं कि आप शादी कर लें या खेती-बाड़ी करें।

निर्णय: मैं अपने शैक्षिक सपनों और पारिवारिक अपेक्षाओं के बीच संतुलन कैसे बनाऊँ?

परिदृश्य 2: करियर पथ की अनिश्चितता:आप पढ़ाई और खेती दोनों में अच्छे हैं। आप तय नहीं कर पा रहे हैं कि शहर में उच्च शिक्षा प्राप्त करें या यहीं रहकर खेती-बाड़ी में मदद करें।

निर्णय: मुझे कौन सा रास्ता चुनना चाहिए?

परिदृश्य 3: साथियों का दबाव बनाम व्यक्तिगत मूल्य:आपके दोस्त चाहते हैं कि आप मौज-मस्ती के लिए स्कूल छोड़ दें, लेकिन आप जानते हैं कि आपको परीक्षाओं के लिए पढ़ाई करनी है।

निर्णय: मैं अपने लक्ष्यों के प्रति दृढ़ रहते हुए अपनी दोस्ती कैसे निभाऊँ?

परिदृश्य 4: प्रवास और अवसर:एक रिश्तेदार आपको शहर में अच्छी तनख्वाह वाली नौकरी का प्रस्ताव देता है, लेकिन इसके लिए आपको अपना परिवार और गाँव छोड़ना पड़ेगा।

निर्णय: क्या मुझे अवसर के लिए प्रवास करना चाहिए या परिवार के लिए यहीं रहना चाहिए?

परिदृश्य 5: धन और खर्च:आपने कुछ पैसे बचाए हैं। आपके परिवार को उनकी ज़रूरत है, लेकिन आप एक छोटा व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं या कुछ नया सीखना चाहते हैं।

निर्णय: मैं अपने पैसे का बुद्धिमानी से उपयोग कैसे करूँ?

विद्यार्थियों को 3-4 के समूहों में बाँटें। प्रत्येक समूह को निर्णय लेने के 5 चरणों वाली एक कार्यपत्रक दें। उन्हें अपने-अपने परिदृश्य के अनुसार इसे भरना होगा।

प्रत्येक समूह 3-4 मिनट में अपनी निर्णय प्रक्रिया प्रस्तुत करेगा। उन्हें निम्नलिखित बातों का विवरण देना चाहिए:

- उनके सामने मौजूद निर्णय
- उनके द्वारा विचार किए गए विकल्प
- उन्होंने अपना अंतिम विकल्प क्यों चुना

Scanned with OKEN Scanner

- उनका पहला कदम क्या होगा

प्रत्येक प्रस्तुति के बाद, सहपाठी पूछेंगे:

"क्या आपको लगता है कि यह एक अच्छा निर्णय था? क्यों?"

"क्या गलत हो सकता था?"

"आप क्या अलग करते?"

कौशल	गतिविधि	गतिविधि आयोजन माह	वित्तीय प्रावधान
रचनात्मक चिंतन (Creativity)	**"नवाचार कार्यशाला"**	अक्टूबर, 2026	2000

विद्यार्थियों को नए विचारों और प्रोजेक्ट्स पर काम करने के लिए प्रेरित करें। **उदाहरण:** "एक नया मोबाइल ऐप डिजाइन करें जो विद्यार्थियों की मदद करे।" या

विद्यार्थियों में इस कौशल के विकास के लिए रुचि अनुसार मॉडल (ड्राइंग, 3 डी मॉडल या प्रोटोटाइप) बनाया जाए - जैसे सोलर विद्यालय बैग, बिजली रहित पंखा, स्मार्ट डस्टबिन इत्यादि जिनको सोलर पैनल व सेंसर के द्वारा बनाया जाए और प्रदर्षन के लिए रखा जाये इसके साथ ही इसकी तैयारी के लिए उन्हें सामग्री क्रय हेतु वित्तीय सहायता दी जाये।

कौशल	गतिविधि	गतिविधि आयोजन माह	वित्तीय प्रावधान
जुझारूपन (Resilience/ Coping with Stress)	**"परिस्थिति बदली, योजना बदली"**	अक्टूबर, 2026	1000

उद्देश्य: कक्षा 9-12 के वरिष्ठ विद्यार्थियों को असफलताओं से उबरने, अपनी व्यक्तिगत शक्ति के स्रोतों को पहचानने और समस्या-केंद्रित मानसिकता से विकास-केंद्रित मानसिकता की ओर बढ़ने में सहायता करना।

राजस्थान के ग्रामीण इलाकों में रहने वाले हर छात्र के लिए परिचित प्रतीक - खेजड़ी वृक्ष - का उपयोग करके लचीलेपन का परिचय दें। शिक्षक बोल के सुनाए कि :

"हमारे रेगिस्तान में, खेजड़ी वृक्ष चिलचिलाती धूप, रेत के तूफ़ान और कई महीनों तक बिना बारिश के भी जीवित रहता है। फिर भी, यह हरा-भरा रहता है और छाया प्रदान करता है। क्यों? क्योंकि इसकी जड़ें पानी के लिए गहराई तक जाती हैं और इसकी लकड़ी लचीली होती है। लचीलापन खेजड़ी वृक्ष की तरह है - इसका मतलब यह नहीं है कि हमें कभी कोई समस्या न हो; इसका मतलव है कि हम समस्याओं के बावजूद मजबूती से खड़े रहें।"

विद्यार्थियों से अपनी नोटबुक में एक साधारण वृक्ष बनाने को कहें। उन्हें इसे निम्न प्रकार से चिह्नित करना होगा:

- जड़ें (मेरा सहारा): वे कौन लोग या चीज़ें हैं जो मुझे स्थिर रखती हैं? (उदाहरण: मेरे माता/पिता का प्रोत्साहन, एक मददगार शिक्षक, मेरा विश्वास, मेरा सबसे अच्छा दोस्त)।
- तना (मेरी ताकत): मुझमें कौन से गुण हैं? (उदाहरण: मैं मेहनती हूँ, मुझमें हास्यबोध है, मैं आसानी से हार नहीं मानता, मैं चीज़ों को ठीक करने में माहिर हूँ)।

Scanned with OKEN Scanner

- पत्तियाँ (छोटी-छोटी जीत): मैंने किन-किन चुनौतियों का सामना किया है? (उदाहरण: एक कठिन गणित परीक्षा उत्तीर्ण करना, खराब फसल के दौरान परिवार की मदद करना, एक नया कौशल सीखना)।

शिक्षक सुझाव: विद्यार्थियों को यह एहसास दिलाएँ कि ग्रामीण जीवन में रोज़मर्रा की चुनौतियों का सामना करने के कारण वे पहले से ही लचीले हैं। कक्षा को छोटे-छोटे समूहों में बाँटें। प्रत्येक समूह को एक "असफलता कार्ड" दें (विद्यार्थियों के सामने आने वाली एक आम चुनौती):

- कार्ड 1: आपने परीक्षा के लिए बहुत मेहनत की, लेकिन आपके अंक उम्मीद से बहुत कम आए।
- कार्ड 2: आप किसी खेल टीम या विशेष पाठ्यक्रम में शामिल होना चाहते हैं, लेकिन आपका परिवार कहता है कि पैसे नहीं हैं या घर पर आपकी ज़रूरत है।
- कार्ड 3: आपका सबसे अच्छा दोस्त शहर चला गया है, और आप अकेलापन महसूस कर रहे हैं और पढ़ाई करने का मन नहीं कर रहा है।
- कार्ड 4: आपने एक छोटा व्यवसाय शुरू किया (जैसे हस्तशिल्प या मुर्गी पालन), और वह असफल रहा।

अपने परिदृश्य से लिए इन तीनों प्रश्नों के उत्तर दें:

- विराम: दुख या क्रोध को व्यक्त करने का सबसे स्वस्थ तरीका क्या है? (उदाहरण के लिए, रोना, किसी मित्र से बात करना)
- परिवर्तन: हम इससे क्या सीख सकते हैं? ऐसी कौन सी एक चीज़ है जो अभी भी हमारे नियंत्रण में है?
- अग्रिम कदम: पुनः प्रयास करने के लिए पहला छोटा कदम क्या है?

कौशल	गतिविधि	गतिविधि आयोजन माह	वित्तीय प्रावधान
नेतृत्व कौशल (Leadership Skills)	**"टीम लीडरशिप कार्यशाला"**	नवम्बर 2026	1000

उद्देश्य: विद्यार्थियों को दूसरों की बात सुनने, टीम वर्क को प्रेरित करने, सामुदायिक समस्याओं को हल करने और जिम्मेदारी लेने का अभ्यास कराकर नेतृत्व कौशल विकसित करने में मदद करना—ताकि वे विद्यालय, घर और अपने गांवों में नेतृत्व करने के लिए तैयार हो सकें।

नेतृत्व को सरल और आसानी से समझ में आने वाली भाषा में समझाएँ:"नेतृत्व का मतलब सिर्फ़ बॉस बनना या आदेश देना नहीं है। एक सच्चा नेता लोगों की सुनता है, उनकी समस्याओं को समझता है, सबको साथ लेकर चलता है और ऐसे समाधान ढूंढता है जिनसे समुदाय को लाभ हो। नेता वह होता है जिस पर दूसरे भरोसा करते हैं और जिसका अनुसरण करना चाहते हैं।"

एक स्थानीय उदाहरण साझा करें:

"एक सरपंच के बारे में सोचें जो गाँव में स्वच्छ पानी लाना चाहता है। एक अच्छा नेता अकेले ही निर्णय नहीं लेता। वह ग्रामीणों से पूछता है: आपको क्या चाहिए? आपको किन समस्याओं का सामना करना पड़ता है? हम मिलकर इनका समाधान कैसे कर सकते हैं?" नेता के 5 प्रमुख गुणों का परिचय दें:

- श्रोता: दूसरों की बात बिना टोके सुनता है।
- सम्मानजनक: सबकी राय का सम्मान करता है, भले ही वह उसकी अपनी राय से अलग हो।
- समस्या-समाधानकर्ता: ऐसे समाधान ढूंढता है जो ज़्यादातर लोगों के लिए कारगर हों।
- प्रेरक: दूसरों को विश्वास करने और कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित करता है।
- उत्तरदायी: गलतियाँ होने पर ज़िम्मेदारी लेता है।

विद्यार्थियों से कहें: "आप अपने गाँव के नए नेता हैं। आपको एक वास्तविक समस्या दी गई है जिसका समाधान आपको करना है। लेकिन आप अकेले निर्णय नहीं ले सकते—आपको सबकी बात सुननी होगी और एक टीम के रूप में काम करना

RajKaj Ref No.:
23091324

Scanned with OKEN Scanner

होगा।" इनमें से किसी एक वास्तविक गाँव की समस्या को चुनें:

समस्या 1: जल समस्या

- गाँव का कुआँ सूख रहा है, खासकर गर्मियों में। किसान, महिलाएं और विद्यार्थी सभी इससे प्रभावित हैं। आपको ऐसा समाधान खोजना होगा जिससे किसी के हितों को ठेस न पहुँचे।

समस्या 2: शिक्षा समस्या

- गाँव की कई लड़कियाँ पारिवारिक दबाव, खर्च या सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण आठवीं कक्षा के बाद स्कूल छोड़ देती हैं। एक नेता के रूप में, आपको परिवारों और स्कूल को लड़कियों को स्कूल में बनाए रखने के लिए मिलकर काम करने के लिए मनाना होगा।

समस्या 3: खेती समस्या

- अनियमित वर्षा के कारण किसानों की फसलें खराब हो रही हैं। कुछ किसान नई फसलों या तकनीकों को अपनाना चाहते हैं, लेकिन पुराने किसान केवल पारंपरिक तरीकों पर ही भरोसा करते हैं। आपको ऐसा रास्ता खोजना होगा जो दोनों के विचारों का सम्मान करे।

समस्या 4: युवा रोजगार समस्या

- गाँव में नौकरी न होने के कारण युवा शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं। गांव को अवसर पैदा करने की जरूरत है। इसके लिए आपको स्थानीय व्यवसायों, सरकार और युवाओं को साथ लाकर एक योजना बनानी होगी।

कक्षा को 5-6 विद्यार्थियों के समूहों में विभाजित करें। प्रत्येक समूह एक "नेतृत्व परिषद" बन जाता है जिसे अपनी-अपनी चुनौती का समाधान करना होता है।

प्रत्येक समूह 3-4 मिनट में अपना समाधान प्रस्तुत करेगा। उन्हें यह दिखाना होगा:

- जिन हितधारकों की बात उन्होंने सुनी
- उन्होंने अपना समाधान क्यों चुना
- यह विभिन्न समूहों की कैसे मदद करता है
- कौन किस चीज़ के लिए ज़िम्मेदार है
- वे सफलता का मापन कैसे करेंगे

महत्वपूर्ण नियम: समूह के श्रोता को प्रस्तुति के दौरान बोलना होगा ताकि यह प्रदर्शित हो सके कि दूसरों की राय सुनना उनके निर्णय का मुख्य आधार था। प्रत्येक प्रस्तुति के बाद, कक्षा पूछेगी:

- "क्या नेता ने सभी की बात निष्पक्ष रूप से सुनी?"
- "क्या यह समाधान सभी समूहों के प्रति सम्मानजनक है?"
- "क्या यह वास्तव में हमारे गाँव में काम करेगा?"
- "क्या गलत हो सकता है?"

कक्षा को एक साथ बुलाकर चर्चा करें:

- "नेतृत्व करने में सबसे कठिन क्या था?" (सामान्य उत्तर: विभिन्न आवश्यकताओं को संतुलित करना, कठिन निर्णय लेना, सभी को सहमत कराना)
- "क्या आपने नेतृत्व के पाँच गुणों का उपयोग किया? इनमें से सबसे महत्वपूर्ण कौन सा था?"
- "आप वास्तविक जीवन में किन नेताओं को जानते हैं? वे ऐसा क्या करते हैं जो कारगर साबित होता है?"

कौशल	**गतिविधि**	**गतिविधि आयोजन माह**	**वित्तीय प्रावधान**

नागरिकता कौशल **(Citizenship Skills)**	**"सामाजिक सेवा अभियान"**	नवम्बर 2026	1000

विद्यार्थियों को समाज सेवा गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित करें। **उदाहरण:** "स्थानीय स्तर पर वृक्षारोपण अभियान या प्लास्टिक मुक्त अभियान में भाग लें।

इस गतिविधि में विद्यार्थियों को एक दैनिक जीवन से जुड़ी समस्या दी जाए जैसे विद्यालय में प्लास्टिक कचरा बढ़ रहा है इस गतिविधि मे विद्यार्थियों को छोटे-छोटे समूहों में बाँटा जाए और प्रत्येक समूह को समस्या का विश्लेषण कर उसके संभावित कारणों की पहचान व समाधान को किसी पोस्टर, कार्ड शीट पर लिख इसे प्रतियोगिता के रूप मे करवाया जाए - आवश्यक सामग्री की उपलब्धता विद्यालय द्वारा सुनिश्चित की जाए।

कौशल	गतिविधि	गतिविधि आयोजन माह	वित्तीय प्रावधान
नैतिक मूल्य (Ethical Values)	**"नैतिक दुविधा चर्चा"**	दिसम्बर 2026	-

उद्देश्य: विद्यार्थियों को सही और गलत में अंतर करना सिखाकर, उनके द्वारा किए गए निर्णयों के परिणामों को समझाकर, और एक ऐसा व्यक्तिगत नैतिक मार्गदर्शक विकसित करने में मदद करना जो उनके कार्यों का मार्गदर्शन करे—भले ही कोई उन्हें देख न रहा हो।

नैतिकता को सरल और आसानी से समझ में आने वाली भाषा में समझाएँ: "नैतिक मूल्य आपके भीतर के मार्गदर्शक की तरह होते हैं—ये आपको सही और गलत का फैसला करने में मदद करते हैं, चाहे फैसला करना कितना भी मुश्किल क्यों न हो। मजबूत नैतिकता वाला व्यक्ति सही काम करता है, चाहे कोई उसे देख रहा हो या नहीं, चाहे वह कितना भी कठिन क्यों न हो, और चाहे बाकी सब गलत काम कर रहे हों।" एक स्थानीय उदाहरण साझा करें:

"कल्पना कीजिए कि आपको सड़क पर पैसों से भरा एक बटुआ मिलता है। किसी ने आपको उसे उठाते हुए नहीं देखा। आप जानते हैं कि इन पैसों से आप स्कूल के नए जूते खरीद सकते हैं। लेकिन किसी ने ये पैसे खो दिए हैं, और हो सकता है कि उसे अपने परिवार के लिए इनकी ज़रूरत हो। ऐसे में सही काम क्या होगा?"

पाँच मूल नैतिक मूल्यों का परिचय:

- ईमानदारी (सच्चाई): हमेशा सच बोलना और निष्पक्ष रहना
- इंसाफ (न्याय): बिना किसी भेदभाव के सभी के साथ समान व्यवहार करना
- जिम्मेदारी (उत्तरदायित्व): अपने कार्यों और उनके प्रभाव की जिम्मेदारी लेना
- इज्जत (सम्मान): प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा और अधिकारों का सम्मान करना
- मेहनत (ईमानदारी): निजी जीवन में भी लगातार सही काम करना

विद्यार्थियों को 4-5 के समूहों में बाँटें। प्रत्येक समूह को गाँव के जीवन से जुड़ी एक वास्तविक नैतिक चुनौती वाला दुविधा कार्ड दें। उन्हें मिलकर चर्चा करनी होगी और प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

दुविधा कार्ड A: परीक्षा का प्रश्नपत्र

- परीक्षा के दौरान, आप अपने सबसे अच्छे दोस्त को एक छिपे हुए नोट से नकल करते हुए देखते हैं। परीक्षा के बाद, वह आत्मविश्वास से कहता है: "मुझे पकड़ा नहीं गया। कृपया किसी को मत बताना।"

RajKaj Ref No.:
23091324

Scanned with OKEN Scanner

नैतिक प्रश्न: क्या आपको अपने दोस्त की शिकायत करनी चाहिए या चुप रहना चाहिए?
चर्चा के प्रश्न:

- शिकायत करने पर क्या परिणाम होंगे? शिकायत न करने पर क्या परिणाम होंगे?
- ईमानदारी क्या माँगती है?
- गलत कामों को छिपाने पर आधारित किस प्रकार की मित्रता होती है?

दुविधा कार्ड B: अनुचित लाभ

आपके गाँव की उचित मूल्य की दुकान को केवल गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों को रियायती राशन देना चाहिए। आपका पड़ोसी, जो संपन्न है, दुकानदार को रिश्वत देकर गरीब परिवारों के लिए निर्धारित सस्ता राशन ले लेता है।

नैतिक प्रश्न: आपको क्या करना चाहिए?
चर्चा के प्रश्न:

- जब कोई व्यक्ति वह लेता है जिसका वह हकदार नहीं है, तो किसका नुकसान होता है?
- क्या यह आपका कर्तव्य है कि आप तब भी आवाज़ उठाएँ जब यह आपके परिवार की समस्या न हो?
- यहाँ किन मूल्यों का उल्लंघन हो रहा है?

दुविधा कार्ड C: विवाह का दबाव

आपकी 17 वर्षीय चचेरी बहन को उसके माता-पिता एक धनी परिवार के बड़े उम्र के व्यक्ति से शादी करने के लिए मजबूर कर रहे हैं। वह रो रही है और आपको बता रही है कि वह अपनी पढ़ाई पूरी करना चाहती है। परिवार का कहना है कि यह "परंपरा" है और "उसके लिए अच्छा है"।

नैतिक प्रश्न: सही क्या है?
चर्चा के प्रश्न:

- क्या परंपरा हमेशा सही होती है?
- परिवार की आज्ञा का पालन करना या एक युवती के सपने, इनमें से क्या अधिक महत्वपूर्ण है?
- बड़ों का सम्मान और न्यायसंगत बात के लिए खड़े होना कैसे एक साथ चल सकते हैं?

दुविधा कार्ड D: धोखाधड़ी का धंधा

एक चालाक मोबाइल फोन विक्रेता आपके गाँव में आता है और बड़े ब्रांडों जैसे दिखने वाले लेकिन सस्ते और नकली फोन बेचता है। आपके पिता एक फोन खरीदना चाहते हैं क्योंकि यह सस्ता है। आप जानते हैं कि यह नकली है या धोखा है।

नैतिक प्रश्न: क्या आपको अपने पिता को सच बताकर फोन खरीदने से रोकना चाहिए?
चर्चा के लिए प्रश्न:

- क्या सस्ता होने पर नकली उत्पाद खरीदना गलत है?
- नकली सामान खरीदने से किसका नुकसान होता है?
- इस स्थिति में ईमानदारी क्या मांग करती है?

प्रत्येक समूह 3 मिनट में अपनी दुविधा और नैतिक निर्णय प्रस्तुत करता है। प्रत्येक प्रस्तुति के बाद, चर्चा के लिए समय दें: "क्या कोई इस समूह के निर्णय से असहमत है? क्यों?"

सम्मानजनक बहस को प्रोत्साहित करें:

- "आपका दृष्टिकोण रोचक है। यह दूसरे विकल्प से अधिक नैतिक कैसे है?"
- "आप किस मूल्य को प्राथमिकता दे रहे हैं?"
- "क्या कोई तीसरा विकल्प है जिसके बारे में किसी ने नहीं सोचा?"

Scanned with OKEN Scanner

2. काम/कार्य/रोजगार हेतु कौशल (Skill for Work)

कौशल	गतिविधि	गतिविधि आयोजन माह	वित्तीय प्रावधान
वित्तीय साक्षरता (Financial Literacy)	**"बजट बनाओ"**	जुलाई, 2026	1000

विद्यार्थियों को व्यक्तिगत वित्त और बजट प्रबंधन सिखाएँ। **उदाहरण:** विद्यार्थियों को एक काल्पनिक मासिक आय दी जाएगी और उन्हें अपने खर्चों की योजना बनाने के लिए कहा जाएगा।

इस गतिविधि में विद्यार्थी कक्षा के अन्दर एक डेमो स्टोर बनायेगे यह गतिविधि विद्यार्थियों को वस्तु की कीमत एवं वस्तु के मूल्य को समझने में मदद करेगी। वह स्टोर के माध्यम से वस्तुओं के मूल्य का निर्धारण उसका लेनदेन एवं प्रबंधन सीख सकेंगे। गतिविधि अन्तर्गत विद्यालय की आवश्यक वस्तुओं का क्रय विद्यार्थियों के समक्ष कर उन्हें विस्तृत जानकारी प्रदान की जाए।

कौशल	गतिविधि	गतिविधि आयोजन माह	वित्तीय प्रावधान
डिजिटल साक्षरता (Digital Literacy)	**"साइबर सुरक्षा कार्यशाला या स्मार्ट सर्फर बनो"**	जुलाई 2026	1000

विद्यार्थियों को ऑनलाइन सुरक्षा और डिजिटल कौशल सिखाएँ। **उदाहरण:** इस गतिविधि में विद्यार्थियों को इंटरनेट का सुरक्षित और प्रभावी उपयोग करना सिखाया जा सकता है -

उन्हें एक आसान विषय दिया जाए जैसे "पासवर्ड या ओटीपी शेयर ना करें" तथा "कोई भी एपीके (अनाधिकृत) फाईल ओपन ना करें।" और उनसे कहा जाएगा कि वे ऑनलाइन जानकारी खोजें, उसे समझें, और एक छोटा डिजिटल प्रस्तुतीकरण बनाएं। विद्यालय स्थित कम्प्यूटर लैब के प्रयोग द्वारा विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा के बारे में जानकारी दी जाएगी और उन्हें सुरक्षित पासवर्ड बनाने और ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने के तरीके सिखाए जाएँगे।

3. सतत विकास हेतु कौशल (Skill for Sustainable Development)

कौशल	गतिविधि	गतिविधि आयोजन माह	वित्तीय प्रावधान
जलवायु परिवर्तन (Climate Change)	**"पर्यावरण संरक्षण अभियान"**	सितम्बर 2026	2000

विद्यार्थियों को जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संरक्षण के उपायों पर काम करने के लिए प्रेरित करें। **उदाहरण:** विद्यार्थियों को स्थानीय स्तर पर वृक्षारोपण अभियान, प्लास्टिक मुक्त अभियान, या जल संरक्षण गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित करें।और यह भी करे

गतिविधि 1

शिक्षक विद्यार्थियों से कहें की क्या आपको पता है कि आपके विद्यालय में कितनी ऑक्सीजन की आवश्यकता है?इसके लिए निम्न जानकारी संग्रहित करने हेतु कहें-

- इसके लिए, पहले विद्यालय में कुल बच्चों की संख्या जानें।

RajKaj Ref No.: 23091324

कौशल	गतिविधि	गतिविधि आयोजन माह	वित्तीय प्रावधान

- यदि विद्यालय में आंगनवाड़ी भी है तो उसे भी गणना में शामिल करें।
- एक व्यक्ति द्वारा प्रति मिनट 0.5 लीटर (आधा लीटर) ऑक्सीजन ली जाती है, इसका मतलब प्रति घंटा 30 लीटर ऑक्सीजन।[1]
- चूंकि विद्यालय का समय लगभग 6-7 घंटे है, इसलिए विद्यालय समय के दौरान विद्यालय के प्रत्येक विद्यार्थी, शिक्षक, या वहाँ कार्य करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को 180 लीटर ऑक्सीजन की जरूरत होती है।

गणना करें:

विद्यालय में व्यक्तियों (शिक्षक, विद्यार्थी, एवं अन्य) कुल संख्या × 180 लीटर = _________ लीटर

यह सोचिए की आपके विद्यालय में ________________ लीटर ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है। तो उतनी ऑक्सीजन का उत्पादन होनी चाहिए। अगर आपको जानना है कि आपके विद्यालय में कितनी ऑक्सीजन का उत्पादन होता है तो गतिविधि 2 को देखे।

विद्यार्थी अब स्वयं करें :

आपको पूरे दिन के लिए ऑक्सीजन की आवश्यकता का अनुमान लगाना है, यानी प्रति व्यक्ति पूरे 24 घंटे में कितनी ऑक्सीजन की आवश्यकता है?

- अब तो आप जान गए है की प्रति व्यक्ति ऑक्सीजन की आवश्यकता की गणना कैसे की जाती है।
- आप यह जानें कि आपके गांव में कितनी ऑक्सीजन की जरूरत है।
- दोनों कार्य करें और विद्यालय में बतायें/ चर्चा करें/ पोस्टर बना कर विद्यालय में लगाएँ या प्रार्थना सत्र में इससे प्रस्तुत करें।

(इस हेतु पी.एम.श्री विद्यालयों में उपलब्ध जलवायु परिवर्तन की पुस्तिका से गतिविधिया की जा सकती है)।

बजट प्रावधान

Major Component	Sub Component	Activity Master Details	Physical	Unit Cost (In Lakhs)	Financial (In Lakhs)
Curriculum, Pedagogy and Assessment	Project Innovation	21st Century Learning and Information Skills	549	0.50	274.50
Curriculum, Pedagogy and Assessment	Project Innovation	21st Century Learning and Information Skills	10	0.50	5.00
		Total			279.50

1

RajKaj Ref No.:
23091324

Scanned with OKEN Scanner

बजट विवरण

Activity	Physical	Unit cost (Rs. in lakh)	Fin. (Rs. in lakh)
Budget for the school-level activity	559	0.20	111.80
Budget for the block-level activity	378	0.20	75.60
Budget for the district-level activity	41	0.70	28.70
Budget for the State-level activity	1	63.40	63.40
Total			279.50

उपरोक्त गतिविधियों के विद्यालय स्तर पर निर्धारित माह में आयोजन पश्चात ब्लॉक, जिला एवं राज्य स्तर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में पीएमश्री के अतिरिक्त अन्य राजकीय विद्यालयों के कक्षा 6 से 12 में अध्ययनरत विद्यार्थियों को भी सम्मिलित किया जायेगा। चूंकि अन्य विद्यालयों हेतु उपरोक्त गतिविधि समग्र शिक्षा की पीएबी 2026-27 में अनुमोदित है।

"21 वीं सदी के कौशल" गतिविधि अन्तर्गत प्रति पीएमश्री विद्यालय हेतु अनुमोदित राशि 50,000/- रूपये पीएमश्री विद्यालय, ब्लॉक, जिला एवं राज्य स्तरीय गतिविधियों के आयोजन हेतु उपयोग की जायेगी। जिसमें ब्लॉक, जिला एवं राज्य स्तर की गतिविधियों का व्यय पीएमश्री के अनुमोदित बजट के माध्यम से किया जायेगा। "प्रबल कार्यक्रम" के विस्तृत दिशा निर्देश व SOP परिषद् मुख्यालय द्वारा पृथक से जारी किए जायेंगे जिसमें ब्लॉक, जिला एवं राज्य स्तर की गतिविधियों का विस्तृत वर्णन उपलब्ध कराया जायेगा।

उत्तरदायित्व

जिला परियोजना कार्यालय के दायित्व-

- जिला स्तर के अधिकारी 21वीं सदी के कौशल के दस्तावेजों का अध्ययन कर अपनी समझ बनाएँ और आवश्यकतानुसार पीईईओ/यूसीईईओ एवं संस्था प्रधानों को सहयोग प्रदान करें।
- जिला स्तर के अधिकारी ब्लॉक स्तर के अधिकारियों के साथ पीएमश्री विद्यालय की समीक्षा करने के लिए नियमित रूप से बैठक आयोजित करें और पीएमश्री विद्यालयों की प्रगति की समीक्षा करें।
- जिला स्तर पर ब्लॉक कार्यालयों एवं पीएमश्री विद्यालयों के संस्था प्रधानों के साथ मासिक रूप से बैठक आयोजित करें। बैठक आयोजन से पूर्व विद्यालयों का स्वयं अवलोकन/निरीक्षण करें और कार्य योजना अनुसार किये गए कार्यों की समीक्षा करें। बैठक में पीएम श्री विद्यालयों में दिशा निर्देशानुसार गतिविधियों के आयोजन की प्रगति पर बिन्दुवार समीक्षा करें।

ब्लॉक परियोजना कार्यालय के दायित्व-

- ब्लॉक स्तर के अधिकारी 21वीं सदी के कौशल के दस्तावेजों का अध्ययन कर अपनी समझ बनाएँ और आवश्यकतानुसार पीईईओ/यूसीईईओ एवं संस्था प्रधानों को सहयोग प्रदान करें।
- ब्लॉक स्तर के अधिकारी पीईईओ/यूसीईईओ के साथ नियमित रूप से बैठक आयोजित करें और पीएमश्री विद्यालयों की प्रगति की समीक्षा करें।
- पीएम श्री अंतर्गत चयनित पीएमश्री विद्यालयों के संस्था प्रधानों के साथ मासिक रूप से बैठक आयोजित करें। बैठक आयोजन से पूर्व विद्यालयों का स्वयं अवलोकन/निरीक्षण करें और कार्य योजना अनुसार किये गए कार्यों

RajKaj Ref No.:
23091324
Scanned with OKEN Scanner

की समीक्षा करें। बैठक में पीएमश्री विद्यालयों में दिशा निर्देशानुसार गतिविधियों के आयोजन की प्रगति पर बिन्दुवार समीक्षा करें।

- पीएमश्री विद्यालयों के संस्था प्रधानों के साथ विद्यालयों में आ रही समस्याओं पर चर्चा करें और समस्याओं का समाधान करने हेतु आवश्यक सम्बलन प्रदान करें।

पीईईओ/यूसीईईओ के दायित्व:

- जिन पीईईओ/यूसीईईओ के कार्यक्षेत्र के अंतर्गत पीएमश्री विद्यालय संचालित है वे पीईईओ/यूसीईईओ साप्ताहिक रूप से गतिविधियों के आयोजन की प्रगति के आकलन हेतु पीएमश्री विद्यालयों का अवलोकन करें।
- पीईईओ/यूसीईईओ पीएमश्री विद्यालय के संस्था प्रधानों और शिक्षकों के साथ नियमित रूप से बैठक करें और गतिविधियों के आयोजन की समीक्षा करें।

पीएमश्री विद्यालय के संस्था प्रधान के दायित्व:

- संस्था प्रधान द्वारा 21वीं सदी के कौशलों को विकसित करने के लिए विद्यालय स्तर पर वातावरण का निर्माण करें।
- शिक्षकों के साथ समय-समय पर आयोजित करने वाली गतिविधियों की योजना निर्माण एवं सफल संचालन हेतु वार्ता करें एवं समीक्षा करें।
- गतिविधियों के संचालन हेतु विद्यालय में आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता करवाएँ और उनका उपयोग सुनिश्चित करें।
- एक दिवसीय कार्यक्रम के आयोजन में परिक्षेत्र के विद्यालयों के साथ समन्वय कर प्रभावी कार्यक्रम का आयोजन करें।
- एक दिवसीय कार्यक्रम एवं माहवार गतिविधियों के आयोजन हेतु आवश्यक सामग्री, पुरस्कार, अल्पाहार की व्यवस्था सुनिश्चित करें।
- एक कक्षा के साथ एक सप्ताह में दो दिन जीवन कौशल गतिविधियों का आयोजन किया जाये इस हेतु कक्षावार सत्रों की समय सारणी तैयारी की जाये।
- विद्यालय स्तर पर सभी गतिविधियों का आयोजन निश्चित समयावधि के साथ गुणवत्तापूर्ण हो, सुनिश्चित करें।
- सत्रों के लिए आवश्यक समय, स्थान एवं संसाधनों की उपलब्धता के संबंध में शिक्षकों से विस्तृत चर्चा की जाये।

RajKaj Ref No.:
23091324

Scanned with OKEN Scanner

शिक्षक की भूमिका:

- कार्यक्रम के तहत सभी 14 थीम /विषयों पर कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों के साथ निश्चित समयावधि में सत्रों का आयोजन करें ।
- सत्रों के आयोजन दिशा निर्देश व अन्य सहयोग सामग्री को पढ़कर व्यवस्थित तैयारी करें ।
- जीवन कौशल की गतिविधियों/सत्रों के दौरान कक्षा 6 से 12 तक के सभी विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करें ।
- विद्यार्थियों के साथ जीवन कौशलों के सत्र लेने के दौरान दिशा निर्देशों का आवश्यक रूप से फ़ॉलो करें ।
- सत्रों के दौरान थीम से संबन्धित विद्यार्थियों को अनुभवों को शेयर करने का अवसर उपलब्ध कराएँ ।
- समस्त गतिविधियों के आयोजन के तुरंत बाद गूगल फॉर्म को आवश्यक रूप से ऑनलाइन भरें।
- सत्रों के फोटोज और वीडियो (शॉर्ट वीडियो) पीईईओ/यूसीईईओ को आवश्यक रूप से शेयर करें।
- सभी गतिविधियों के संचालन में गार्गी मंच की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें ।
- ब्लॉक स्तर पर आयोजित गतिविधियों में सहभागिता हेतु विद्यार्थियों का चयन गार्गी मंच के सदस्यों द्वारा करवाया जाना सुनिश्चित करें।
- जीवन कौशल गतिविधियों के पश्चात् विद्यार्थियों को विभिन्न मंच उपलब्ध करवाएँ जहाँ वे अपने अनुभवों को रोचक तरीके से प्रस्तुत कर सकें ।
- सत्रों के दौरान तैयार की गई सामग्री (चार्ट, पोस्टर, अनुभव लेखन, चित्र) को विद्यालय में चस्पा करें।
- विद्यालय स्तर से कुछ अच्छी केस स्टडी निर्धारित फोर्मेट में विद्यालय में ,शिक्षकों व विद्यार्थियों के सहयोग से लिखा जाना सुनिश्चित करें।
- कक्षा 6 से 8 में मीना राजू मंच व 9 से 12 में गार्गी मंच के सदस्यों को प्रत्येक गतिविधि का प्रतिवेदन लिखने के लिए प्रेरित करना एवं उन्हें समुचित मार्गदर्शन देना ।
- कार्यक्रम के तहत आयोजित शिक्षक प्रशिक्षण/ बैठकों में आवश्यक रूप से भागीदारी दें ।

मॉनिटरिंग एवं रिपोर्ट संबंधित बिन्दु

- संस्थाप्रधान पूरी प्रक्रिया का प्रतिवेदन, संबंधित दस्तावेज मय फोटो के साथ, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी को प्रेषित करें।
- प्रत्येक पीएमश्री विद्यालय, ब्लॉक एवं जिला स्तर पर कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु प्रभारी नामित किया जाये।

RajKaj Ref No.:
23091324

Scanned with OKEN Scanner

- प्रत्येक चरण से अगले चरण के लिए विद्यार्थियों का चयन मीना-राजू मंच एवं गार्गी मंच व सहयोगी साथियों के दल द्वारा तय मानदंडो के अनुसार किया गया हो। अतः प्रत्येक माध्यमिक/ उच्च माध्यमिक विद्यालयों में मीना राजू मंच एवं गार्गी मंच के गठन किया गया हो।
- कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु गतिविधियों की मॉनिटरिंग राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद् एवं डाइट के सक्षम अधिकारियों एवं संबंधित प्रकोष्ठ प्रभारियों के माध्यम से की जायेंगी।
- प्रत्येक जिले से दो केस स्टडी जिला अधिकारियों द्वारा राज्य स्तर पर कार्यक्रम के दौरान साझा की जायेंगी। इस हेतु प्रत्येक जिले के डाइट से अधिकारियों को चयनित किया जायेगा, जो इस कार्य को पूर्ण कर गुणवत्ता एवं प्रशिक्षण प्रकोष्ठ को साझा करेंगे।
- प्रत्येक जिले से कुछ विद्यार्थियों, अध्यापकों के विडियो टेस्टीमोनियल, लिखित टेस्टीमोनियल व हाई रिजोल्यूशन फोटो (गतिविधि के विवरण के साथ) राज्य स्तर पर कार्यक्रम के दौरान साझा की जायेंगी।
- गतिविधियों की माहवार प्रगति रिपोर्ट ब्लॉक कार्यालय को कार्य समाप्ति के तीन दिवस के अन्दर प्रेषित करें।

(डॉ. रश्मि शर्मा)
राज्य परियोजना निदेशक एवं
आयुक्त

क्रमांकः–रा.स्कू.शि.प./जय/गुणवत्ता/21वीं सदी के कौशल/2026 –27/6920 दिनांक : 01/07/2026
प्रतिलिपि निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित –

1. निजी सचिव, अतिरिक्त मुख्य सचिव, स्कूल शिक्षा, राजस्थान सरकार, जयपुर।
2. निदेशक माध्यमिक एवं प्रारम्भिक शिक्षा, राजस्थान बीकानेर।
3. निदेशक आरएससीईआरटी, उदयपुर।
4. अति. राज्य परियोजना निदेशक–प्रथम एवं द्वितीय समग्र शिक्षा, जयपुर।
5. वित्तीय सलाहकार, रास्कूशिप, जयपुर।
6. उपायुक्त, पीएमश्री, रास्कूशिप, जयपुर।
7. जिला प्रभारी, समस्त राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद, जयपुर।
8. प्रोग्रामर, राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद, जयपुर को भेजकर लेख है कि दिशा–निर्देश को समग्र शिक्षा की वेबसाईट पर अपलोड किया जाना सुनिश्चित करें।
9. संयुक्त निदेशक, स्कूल शिक्षा, समस्त संभाग।
10. मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं पदेन जिला परियोजना समन्वयक, समग्र शिक्षा, समस्त जिले।
11. अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक, समग्र शिक्षा, समस्त जिले।
12. मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, समस्त ब्लॉक।
13. UCEEO/PEEO, समस्त।
14. समस्त प्रधानाचार्य, पीएमश्री विद्यालय।
15. कार्यालय प्रति।

RajKaj Ref No.:
23091324

Scanned with OKEN Scanner